फर्द अहकाम

श्रीमती तारा देवी बनाम हीरा देवी

नाम न्यायालय

केस संख्या 76/2018 वाद

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
तारा देवी प्रति. तारा Rd. & Identified by O.P. Kalwania Adv 26/12/18	26/12/18	प्रार्थिया/वादीया तारा देवी के प्रार्थना पत्र बाबत मिसल तलबी का पेश होने पर पत्रावली मय तलब की जाकर पेश हुई। प्रार्थीया/वादीया तारा देवी मय जरिये अधिवक्ता उपस्थित होकर प्रार्थना-पत्र बाबत वाद विड्रा किये जाने का प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि वादीया व प्रतिवादी गण में आपसी सुलह एवं भाई चारे की भावना से सुलह व राजीनामा हो गया है जिससे वादीया उक्त वाद को आगे नहीं चलाना चाहती है अतः वाद विड्रा के आधार पर निस्तारित किया जावे। प्रार्थना-पत्र एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया। वादीया का वाद विड्रा किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है। अतः वादीया का वाद विड्रा के आधार पर निस्तारित किये जाने की अनुमति प्रदान की जाती है। पत्रावली [illegible] नम्बर में कम हो तथा दाखिल दफ्तर हो। [illegible] अधिकारी [illegible] जिला जयपुर

Scanned by CamScanner